सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दी गई परिभाषा के अनुसार बाइरैक एक सार्वजनिक प्राधिकरण है और अपने कामकाज में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रतिबद्ध है। बाइरैक "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" की भावना और प्रावधानों के अनुरूप संगठन की वेबसाइट पर सदैव ऐसी जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास करता है। भारत का कोई भी नागरिक इस जानकारी तक स्वतंत्र रूप से पहुंच सकता है और सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत परिभाषित जानकारी भी मांग सकता है। बाइरैक से जानकारी प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए पते पर अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके सीपीआईओ को आवेदन भेजा जा सकता है :

अपीलीय प्राधिकारी:

डॉ. जितेंद्र कुमार
प्रबंध निदेशक, बाइरैक
जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)
5वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020
दूरभाष: +91-11-29878000, वेबसाइट: www.birac.nic.in

पारदर्शिता अधिकारी:

सीए सुश्री निधि श्रीवास्तव
निदेशक-वित्त, बाइरैक
जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)
5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020
दूरभाष: +91-11-29878000, वेबसाइट: www.birac.nic.in

नोडल और सीपीआईओ:

सुश्री कविता आनंदानी
कंपनी सचिव महाप्रबंधक और एचओडी - सीएलए
जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)
5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020
दूरभाष: +91-11-29878000, वेबसाइट: www.birac.nic.in

संगठन की संरचना

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक), भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) की धारा 8, अनुसूची ख द्वारा स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र का गैर-लाभकारी उद्यम है। इसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक उत्पाद बनाने की दिशा में हेतु रणनीतिक अनुसंधान और इनोवेशन के लिए इंटरफ़ेस एजेंसी के रूप में स्थापित किया है।

बाइरैक, उद्योग-शिक्षा जगत का ऐसा इंटरफेस है, जो अपने अधिदेश को व्यापक प्रभाव वाले कार्यों द्वारा लागू करता है, जिसमें लक्षित निधि, तकनीकी का आदान-प्रदान, बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन और समर्थन प्राप्त योजनाओं की मदद से उत्कृष्ट लाभ उत्पन्न करने के अवसर प्राप्त होते हैं। इससे जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों को उत्कृष्ट नवाचार करने और उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलती है। अपने पाँच साल के इतिहास में, बाइरैक ने कई योजनाओं, नेटवर्क और प्लेटफार्मों की शुरुआत की है जो उद्योग-शिक्षा नवाचार अनुसंधान में उपलब्ध अंतराल को कम करने में मदद करते हैं और अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीन, उच्च गुणवत्ता वाले किफायती उत्पादों के विकास की सुविधा प्रदान करते हैं। बाइरैक ने अपने अधिदेश की मुख्य विशेषताओं पर मिलकर काम करने और उसे पूरा करने के लिए कई राष्ट्रीय और वैश्विक साझेदारों के साथ भागीदारी शुरू की है।

बाइरैक का मुख्य उद्देश्य बॉटम-अप प्रतिस्पर्धी अनुदान अनुमोदन या टॉप-डाउन उत्पाद विकास कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा समस्याओं की राष्ट्रीय जरूरतों को पूरा करने हेतु जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक विकास एजेंसी के रूप में काम करना है। इसे हासिल करने के लिए, बाइरैक निजी, सार्वजनिक और अंतर्राष्ट्रीय समूहों के साथ साझेदारी में काम कर रहा है। संगठन में विविध टीमें हैं और अभी भी एक दृढ़ परिचालन पारस्परिकता है।

सफल और प्रभावी कामकाज के लिए बाइरैक एक अद्वितीय संगठन और शासन संरचना है :

- बाइरैक का मुख्य कार्य खोज प्रौद्योगिकियों, उत्पाद विकास/अनुवादात्मक चरणों एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि एवं हरित प्रौद्योगिकी और औद्योगिक प्रक्रिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी प्रसार हेतु सहायता प्रदान करना है। अतः, इस उद्देश्य को पूर्ण करने हेतु बाइरैक के पास क्रॉस फंक्शनल टीमें हैं।

- मुख्य कार्यक्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों को संबोधित करते हैं, पार्श्व टीमें अंतर-विषयक समूहों (जैसे स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, हरित प्रौद्योगिकी) से संबन्धित हैं जो एक विशेष उत्पाद पर ध्यान केंद्रित करती हैं और खोज से लेकर प्रसार चरण तक इसकी निगरानी करती है।

- निवेश, विशिष्ट सेवाएँ, रणनीतिक साझेदारी और उद्यमिता विकास जैसे अन्य समूह हैं जो मुख्य कार्य को सुविधाजनक बनाते हैं।

- विषय विशेषज्ञ समूह में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ/वैज्ञानिक हैं जो तकनीकी सहायता समूह के रूप में कार्य करते हैं और तकनीकी दिशानिर्देश प्रदान करते हैं।

- मानव संसाधन और प्रशासन, वित्त, कॉर्पोरेट मामले और विधि जैसे सक्षम समूह हैं जो बाइरैक के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक हैं।

- प्रत्येक विभाग का नेतृत्व अध्यक्ष द्वारा किया जाता है और टीम के सदस्यों को विशेषज्ञता की आवश्यकता और क्षेत्र के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सभी बाइरैक कर्मचारियों को उनकी योग्यता और अनुभव के अनुसार विभिन्न स्तरों पर संविदा (सेवा अनुबंध) के आधार पर नियुक्त किया जाता है। बाइरैक कर्मचारियों के लिए एक अनुबंध कैरियर पथ विकसित किया गया है। प्रारंभिक अनुबंध 4 वर्षों के लिए है, अगले दो नवीनीकरण 5 वर्षों के लिए और उसके बाद 10 वर्षों के लिए या सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने तक यानी 60 वर्ष, जो भी पहले हो, के लिए है।

मुआवज़े का संरचना

1 जनवरी 2017 से बाइरैक के मुआवज़े की संरचना इस प्रकार है : -:-

स्तर	पद	बैंड	वेतनमान
ई 1	अधिकारी	बैंड1	40,000 - 1,20,000
		बैंड2	45,000 - 1,40,000
ई 2	उप प्रबंधक	बैंड1	50,000 - 1,50,000
		बैंड2	55,000 - 1,60,000
ई 3	मैनेजर	बैंड1	60,000 - 1,70,000
		बैंड2	65,000 - 1,80,000
ई 4	वरिष्ठ प्रबंधक	बैंड1	70,000 - 1,90,000
		बैंड2	75,000 - 2,00,000
ई 5	मुख्य प्रबंधक	बैंड1	80,000 - 2,10,000
		बैंड2	90,000 - 2,20,000
ई 6	उप महाप्रबंधक	बैंड1	90,000 - 2,30,000
		बैंड2	1,00,000 - 2,40,000
ई 7	महाप्रबंधक	बैंड1	1,00,000 - 2,50,000
		बैंड2	1,10,000 - 2,60,000
ई 8	समूह महाप्रबंधक	बैंड1	1,20,000 - 2,70,000
		बैंड2	1,30,000 - 2,80,000

अनुलाभ एवं भत्ते

बाइरैक कर्मचारियों को मूल वेतन के 24% की दर से एचआरए का भुगतान किया जाता है। डीपीई के निर्देशों के अनुसार डीए 25% से अधिक होने पर इसे 27% तक संशोधित किया जाएगा और डीए 50% से अधिक होने पर इसे 30% तक संशोधित किया जाएगा। 'कैफेटेरिया दृष्टिकोण' के तहत सभी कर्मचारियों को मूल वेतन के 35% तक सीमित अनुलाभ भी दिए जाएंगे। 'कैफेटेरिया दृष्टिकोण' की अवधारणा के तहत अधिकारियों को मूल वेतन के 35% की सीमा के भीतर भत्तों और अनुलाभ के एक सेट में से चुनने की अनुमति है।

बाइरैक में एक उत्तम प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली है जिसमें वित्तीय वर्ष की शुरुआत में प्रत्येक कर्मचारी के लिए केपीआई और केआरए परिभाषित किए जाते हैं और उनके प्रदर्शन के आधार पर योग्य उम्मीदवारों को पदोन्नति प्रदान की जाती है, प्रत्येक स्तर के लिए योग्यता आधारित मूल्यांकन पैरामीटर निर्धारित किए गए हैं।

बाइरैक कार्यात्मक समूहों में विभिन्न समूहों और विभिन्न स्तरों के सदस्य शामिल हैं जिन्हें उनके क्षेत्र/कार्य क्षेत्र में विशेष कार्य सौंपे जाते हैं और वे सौंपे गए कार्यों को समय पर पूरा करने, अंतर-समूह सहयोग और अन्य समूह के

साथ अच्छे कामकाजी संबंध विकसित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। बाइरैक ने बिना किसी स्तरवार रिपोर्टिंग के सपाट एवं समतल संगठन संरचना को अपनाया है।

परियोजना प्रबंधन इकाई

केंद्र में अन्य आवश्यकता आधारित/परियोजना आधारित इकाइयां शामिल नहीं हैं। यदि बड़ी साझेदारियों के लिए आवश्यकता आधारित परियोजना प्रबंधन इकाई का गठन किया जाना है, तो एक विशिष्ट इकाई संरचना का पालन किया जाएगा और पदों की संख्या आवश्यकताओं के आधार पर होगी। ऐसी इकाइयाँ अपने आप में एक पूर्ण संरचना हो सकती हैं जिसमें एक तकनीकी इकाई और वित्त एवं विधि इसके अभिन्न अंग के रूप में शामिल हैं। इकाइयों का गठन आवश्यकता के आधार पर किया जाएगा और इन लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा और अनुबंध की शर्तें प्रबंधन द्वारा तय की जाएंगी। इन इकाइयों में नियुक्त किए जाने वाले लोगों की संख्या आवश्यकताओं पर आधारित होगी जिसे जरूरत पड़ने पर बाइरैक द्वारा आंतरिक रूप से तैयार किया जाएगा। इन इकाइयों के लिए टीमों को विशिष्ट समय अवधि के लिए बाइरैक द्वारा अनुबंधित किया जाएगा। 'सेवा के लिए अनुबंध' उम्मीदवार जिन्हें आवश्यकता के आधार पर या विशिष्ट परियोजना के लिए नियुक्त किया जाएगा, उन्हें संगठन को उनकी सेवाओं के भुगतान के रूप में एकमुश्त राशि दी जाएगी।

बाइरैक की संगठनात्मक संरचना को नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है।

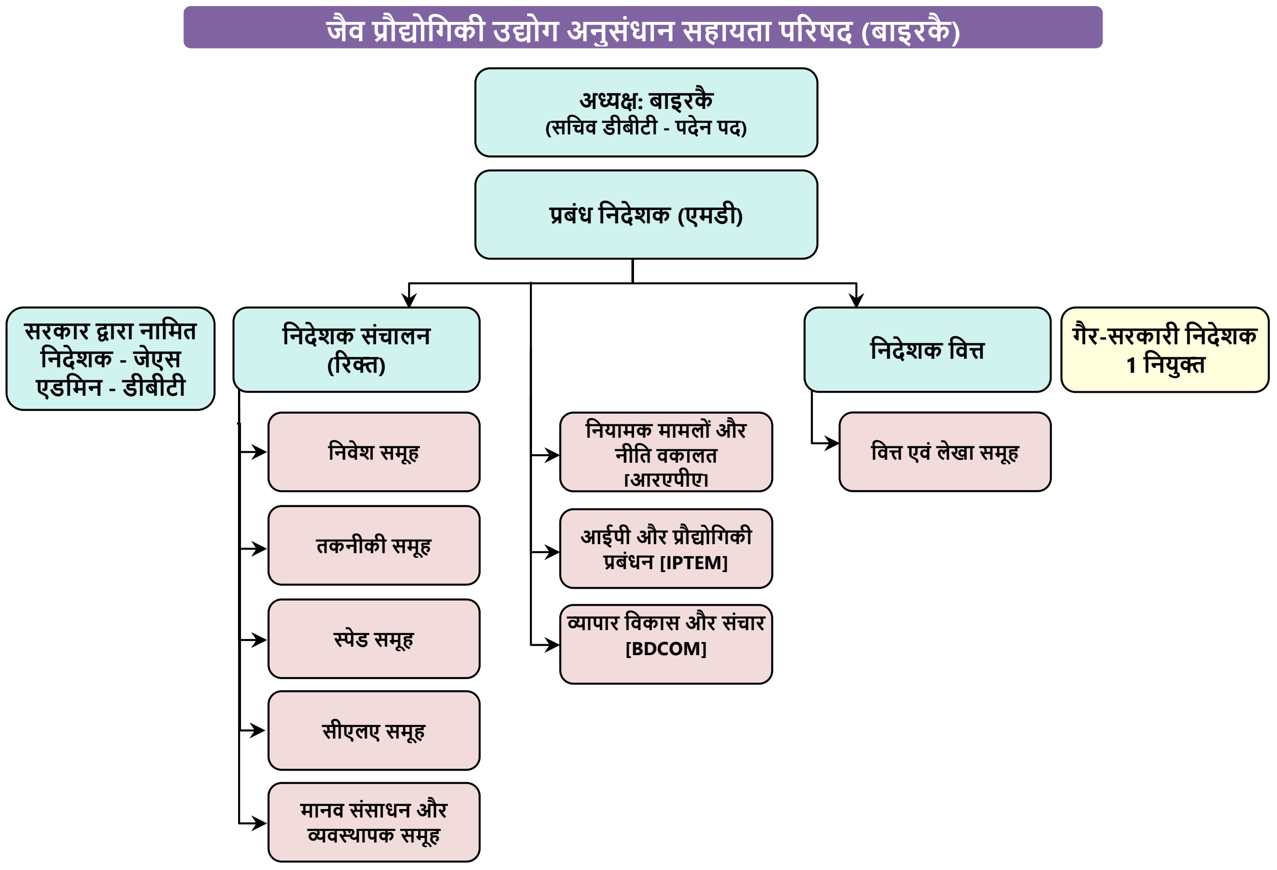

निदेशक मंडल

बाइरैक के निदेशक मंडल में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. डॉ. राजेश सुधीर गोखले, सचिव डीबीटी और अध्यक्ष, बाइरैक
2. डॉ जितेंद्र कुमार, प्रबंध निदेशक, बाइरैक
3. सुश्री एकता विश्नोई, सरकार द्वारा नामित निदेशक, बाइरैक और जेएस डीबीटी
4. सीए सुश्री निधि श्रीवास्तव, निदेशक (वित्त), बाइरैक
5. डॉ. पेन्ना कृष्ण प्रशांति, गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक, बाइरैक

बोर्ड सुश्री कविता आनंदानी, कंपनी सचिव, बाइरैक द्वारा सेवित है ।

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी, पारदर्शिता अधिकारी, नोडल और सीपीआईओ, डीपीआईओ के नाम, पदनाम और अन्य विवरण:

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) का नाम एवं पदनाम	**डॉ. जितेंद्र कुमार** प्रबंध निदेशक ईमेल: md.birac@nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020
पारदर्शिता अधिकारी का नाम एवं पदनाम	**सीए सुश्री निधि श्रीवास्तव** निदेशक - वित्त ईमेल: dir-finance@birac.nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020
नोडल एवं केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) का नाम एवं पदनाम	**सुश्री कविता आनंदानी** कंपनी सचिव ईमेल: cs.birac@nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020

मानित जन सूचना अधिकारी (डीपीआईओ) का नाम एवं पदनाम	1. **डॉ. अमिता जोशी** डीजीएम और प्रभारी तकनीकी ईमेल: ajoshi.birac@nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020 2. **डॉ. संजय सक्सेना** जीएम और प्रमुख निवेश ईमेल: ssaxena@birac.nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020 3. **सुश्री शिपली कोचर** मुख्य प्रबंधक, विभागाध्यक्ष - BDCOM और प्रमुख - SPEAD (अतिरिक्त प्रभार) ईमेल: spedo2@birac.nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020 4. **सुश्री ललिता बालकृष्णन** जीएम और हेड फाइनेंस ईमेल: lbalakrishnan@birac.nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020 5. **श्री नितिन बख्शी** मुख्य प्रबंधक, एचओडी - मानव संसाधन और प्रशासन ईमेल: nbakshi@birac.nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020 6. **डॉ. माधवी चंद्रा** मुख्य प्रबंधक - कार्यक्रम और प्रभारी बीएमजीएफ ईमेल: pmubmgf5@birac.nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020 7. डॉ. **राज शिरुमल्ला** मिशन निदेशक - एनबीएम ईमेल: technical.birac@nic.in दूरभाष: + 91-11-29878000 पता: 5 वीं मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, नई दिल्ली – 110020

विभागों/प्रभागों एवं कर्मचारियों के नाम एवं पदनाम इस प्रकार हैं :

विभागों/ प्रभागों	नाम	पदनाम
	डॉ. जितेंद्र कुमार	**प्रबंध निदेशक**
	रिक्त पद	**निदेशक [संचालन]**
	सीए निधि श्रीवास्तव	**निदेशक [वित्त]**
निवेश	**डॉ. संजय सक्सेना**	**महाप्रबंधक और प्रमुख - निवेश**
	डॉ. सोनाली टंडन	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. आर्टी	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. पूनम सिंह	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. प्राची कौशिक	वरिष्ठ प्रबंधक
	डॉ. विश्वदीप कापरे	अधिकारी
नियामक मामले और नीति परामर्श [आरएपीए]	**सुश्री सोनिया गांधी**	**उप महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष - आरएपीए**
तकनीकी	**डॉ. अमिता जोशी**	**उप महाप्रबंधक और प्रभारी टेक।**
	डॉ. शिल्पी गुप्ता	उप महाप्रबंधक
	डॉ. धीरज कुमार	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. अपर्णा शर्मा	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. प्राची अग्रवाल	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. सुजीत दास	अधिकारी
आईपी एवं प्रौद्योगिकी प्रबंध न [आईपीटीईएम]	**डॉ. विनीता जिंदल**	**उप महाप्रबंधक और विभागाध्यक्ष - आईपीटीईएम**
	श्री अमित कटियार	मुख्य प्रबंधक
बायोफाउंड्री, एनसीआर बायोटेक क्लस्टर और IVCOL मिशन निदेशक - बायोटेक क्षेत्र के लिए मेक इन इंडिया	**डॉ. मनीष दीवान**	**महाप्रबंधक और प्रमुख - बायोफाउंड्री, एनसीआर बायोटेक क्लस्टर और आईवीसीओएल मिशन निदेशक - बायोटेक क्षेत्र के लिए मेक इन इंडिया**
व्यापार विकास और संचार [BDCOM]	**डॉ. शिल्पी कोचर**	**मुख्य प्रबंधक, विभागाध्यक्ष - BDCOM और प्रमुख - एसपीईडी (अतिरिक्त शुल्क)**
सामरिक साझेदारी और उद्यमिता विकास [SPED]	डॉ. छाया चौहान	वरिष्ठ प्रबंधक
	सुश्री तरनजीत कौर	वरिष्ठ प्रबंधक
	सुश्री रश्मिका सिंह	उप प्रबंधक
	सुश्री पूनम आर. बिश्नानी	अधिकारी
	सुश्री अपूर्वा श्रीवास्तव	अधिकारी
	सुश्री हर्षिता भावसर	अधिकारी
	सुश्री दीक्षा राठौर	अधिकारी
वित्त & लेखा	**सुश्री ललिता बालकृष्णन**	**महाप्रबंधक और प्रमुख - एफ एंड ए**
	सुश्री भावना अरोड़ा	मुख्य प्रबंधक
	श्री देवात्मा नंद वर्मा	मुख्य प्रबंधक
कॉर्पोरेट मामले और विधि	**सुश्री कविता आनंदानी**	**कंपनी सचिव, जीएम और एचओडी - सीएलए**
	सुश्री आशा दमानी	मैनेजर
	सुश्री अलका शर्मा	उप प्रबंधक
	श्री अमित कुमार	उप प्रबंधक
	सुश्री कीर्ति गुप्ता	उप प्रबंधक
मानव संसाधन एवं प्रशासन तथा आई.टी	**श्री नितिन बख्शी**	**मुख्य प्रबंधक, एचओडी - मानव संसाधन और प्रशासन**

विभागों/ प्रभागों	नाम	पदनाम
	सुश्री कविता सरदाना	उप प्रबंधक
	सुश्री विपुल कुमार	उप प्रबंधक
	सुश्री दीपा पंथ	उप प्रबंधक

बाइरैक गतिविधियां

बाइरैक की विभिन्न गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :

निवेश योजनाएं उद्यमियों, स्टार्ट-अप, एसएमई और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों को उत्पाद विकास मूल्य श्रृंखला के सभी चरणों हेतु खोज से लेकर अवधारणा के प्रमाण तक, प्रारंभिक और अंतिम चरण के विकास से लेकर सत्यापन और पैमाने तक, पूर्व-व्यावसायीकरण तक वित्त पोषण सहायता प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त विशेष उत्पाद विकास मिशन भी हैं।

उद्यमिता विकास जो न केवल वित्त पोषण सहायता पर केंद्रित है, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और लाइसेंसिंग, आईपी और नियामक मार्गदर्शन सहित व्यापार परामर्श हेतु सही बुनियादी ढांचे, सलाह और अन्य नेटवर्क उपलब्ध कराने पर भी केंद्रित है।

रणनीतिक साझेदारी समूह सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करता है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारी विभाग और मंत्रालय, उद्योग संगठन, अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय एजेंसियां, परोपकारी संगठन और कॉर्पोरेट क्षेत्र शामिल हैं, ताकि शक्ति एवं विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सके तथा संसाधन जुटाए जा सकें और इससे संबन्धित गतिविधियों तक पहुंच का विस्तार किया जा सके।

बाइरैक अपनी पीपीपी योजनाओं और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमियों, स्टार्ट-अप, एसएमई और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों को उत्पाद विकास मूल्य श्रृंखला के सभी चरणों हेतु खोज से लेकर अवधारणा के प्रमाण तक, प्रारंभिक और अंतिम चरण के विकास से लेकर सत्यापन और पैमाने तक, पूर्व-व्यावसायीकरण तक वित्त पोषण सहायता प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त विशेष उत्पाद विकास मिशन भी हैं।

- **फंडिंग सहायता कार्यक्रम** : बाइरैक विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्टार्ट अप और उद्यमियों को फंडिंग सहायता प्रदान करता है, जिसमें छात्रों और उद्यमियों को शुरुआती चरण की फंडिंग, स्टार्टअप और एसएमई को रॉयल्टी आधारित अनुदान, सत्यापन और स्केल अप के लिए इक्विटी फंडिंग, उत्पाद व्यावसायीकरण फंड आदि शामिल हैं। BIG योजना व्यक्तिगत उद्यमियों और स्टार्ट-अप को 50 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता प्रदान करती है। इक्विटी फंड योजनाओं में SEED, LEAP और AcE फंड शामिल हैं। बाइरैक अपनी PPP योजनाओं के माध्यम से i4 कार्यक्रम (औद्योगिक नवाचार के प्रभाव में तीव्रता लाना) और SIIP (सामाजिक नवाचार विसर्जन कार्यक्रम) के माध्यम से देश भर में स्टार्ट-अप को भी बढ़ावा देता है।
- **इन्क्यूबेशन और प्री- इन्क्यूबेशन सहायता कार्यक्रम** : बाइरैक की बायोनेस्ट योजना एक विशेष मंच प्रदान करती है जिसके माध्यम से पूरे देश में एक सुदृढ़ इन्क्यूबेशन नेटवर्क बनाया गया है। बाइरैक के 74 बायोनेस्ट बायोइन्क्यूबेटर और ईवाईयूवीए केंद्र एक ही छत के नीचे साझा सुविधाओं, उच्च उपकरण, विशेष बुनियादी ढांचे, सलाहकारों संग संवाद, आईपी और कानूनी सहायता आदि तक पहुंच प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय/संस्थानों में स्थित ई-युवा केंद्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्री-इन्क्यूबेशन सुविधा प्रदान की जाती है।
- **नेटवर्क और सुविधा कार्यक्रम** : बाइरैक ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ साझेदारी स्थापित की है जो तकनीकी और साथ ही व्यावसायिक सलाहकारों से जुड़ने एवं परामर्श का अवसर प्रदान करती है। स्टार्टअप को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने की सुविधा भी प्रदान की जाती है।
- **आईपी एवं विनियामक सुविधा कार्यक्रम**
  - बाइरैक के पास एक समर्पित IP सेल है जो IP ड्राफ्टिंग, फाइलिंग आदि हेतु स्टार्टअप का समर्थन और मार्गदर्शन करता है। BIRAC PATH एक ऐसी ही योजना है।

- ○ फर्स्ट हब बाइरैक की एक पहल है जो स्टार्टअप्स को सीडीएससीओ, आईसीएमआर आदि जैसे नियामक निकायों से जोड़ती है और नियामक प्रश्नों के त्वरित समाधान की सुविधा प्रदान करती है।

• **नैदानिक स्थलों पर सत्यापन/पायलट परीक्षण**

  - ○ **बाइरैक इन समाधानों को क्लिनिकल साइटों पर तैनात करके स्टार्टअप्स द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के पायलट परीक्षण का समर्थन करता है। WISH एक ऐसा ही भागीदार है।**

- **बाइरैक वेबसाइट (www.biotechinnovations.com) के माध्यम से स्टार्टअप्स द्वारा विकसित उत्पादों का ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाता है।**
- **कार्यशालाएँ, तकनीकी प्रशिक्षण और इन्वेस्टर कनेक्ट मीट** (सीधे तौर पर बाइरैक एवं इसके भागीदारों तथा क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा आयोजित की जाती हैं)
- **जैव प्रौद्योगिकी हेतु मेक इन इंडिया सेल के माध्यम से नीति मार्गदर्शन एवं परामर्श**

योजनाओं, रणनीतिक साझेदारी, मार्गदर्शन तथा क्षमता निर्माण, आईपी एवं टीटी के विवरण हेतु बाइरैक वेबसाइट **www.birac.nic.in** देखें।

*****